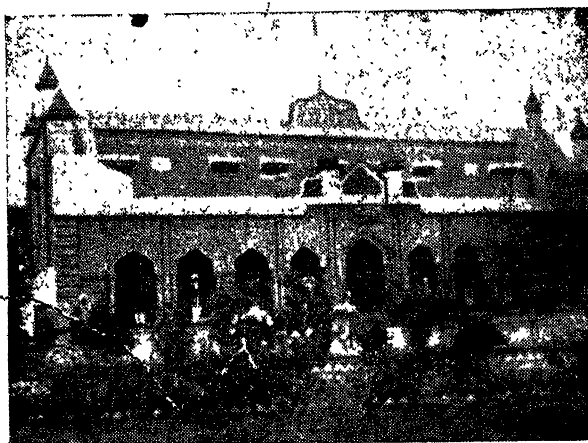
देहात पथ प्रदर्शक माला का द्वितीय रत्न

ग्राम सुधार

नाटक



ग्रामों की दयनीय दशा है,
विपता पड़ी किसानों पर।
लेते नहीं खबर दीनन की,
धिक है इन धनवनों पर॥



ग्राम सुधार का केन्द्र स्थान—अबोहर साहित्य सदन

—सैयद कासिमअली
(साहित्यालङ्कार)